विद्या-परिषद्

22वीं बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक : 14 मार्च, 2015 (शनिवार)
समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे
स्थान : सभाकक्ष, भाषा विद्यापीठ
विश्वविद्यालय परिसर, वर्धा

ज्ञान, शांति, मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र)

website: hindivishwa.org

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

विद्या–परिषद की 22वीं बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक : 14 मार्च, 2015 (शनिवार)

समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे

स्थान : सभाकक्ष, भाषा विद्यापीठ
विश्वविद्यालय परिसर, वर्धा

◈◈ विषयसूची ◈◈

मद सं.	विवरण	पृष्ठ
1	विद्या–परिषद में नए सदस्यों का नामांकन एवं स्वागत	2
2	कुलाधिपति द्वारा पदभार ग्रहण	
3	विद्या–परिषद की पिछली (21वीं) बैठक के कार्यवृत्त की संपुष्टि	
4	21वीं बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्यवाही	
5	विश्वविद्यालय की प्रगति एवं अकादमिक गतिविधियाँ	3
6	संज्ञानार्थ/कार्योत्तर अनुमोदनार्थ मुद्दे	5
7	कुलपति की अध्यक्षता में संपन्न संकायाध्यक्षों/विभागाध्यक्षों के कार्यवृत्त का अनुमोदन	
8	प्रवेश समिति की अनुशंसाओं का अनुमोदन	
9 (i)	सत्र 2015–16 का अकादमिक कैलेंडर	
(ii)	सत्र 2014–15 के अकादमिक कैलेंडर में आंशिक संशोधन	
10	सत्र 2015–16 से विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु परिवर्तित शुल्क का अनुमोदन	6
11	संशोधित पी–एच.डी. अध्यादेश	
12	विश्वविद्यालय अध्यादेश क्रमांकों में सुसूत्रीकरण	
13	विद्या–परिषद में पूर्व छात्रों के नामांकन संबंधी परिनियम को स्वीकृति	
14	मानवविज्ञान विभाग को पुनः संस्कृति विद्यापीठ के अंतर्गत किया जाना	
15	डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के अध्ययन मंडल की 12 दिसंबर, 2014 को संपन्न बैठक का कार्यवृत्त	
16	हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के अध्ययन मंडल की 14 नवंबर, 2014 को संपन्न बैठक का कार्यवृत्त	
17	महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मॉरिशस के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन	7
18	बी.वोक एवं अन्य स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों का संचालन	
19	प्रबंधन विद्यापीठ के अंतर्गत सत्र 2015–16 से बी.कॉम (ऑनर्स), एम.कॉम तथा एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों का संचालन	

20	क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में नए सत्र से नए प्रस्तावित पाठ्यक्रमों का संचालन	7
21 (क)	क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में नए विभागों की स्थापना	
(ख)	क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में नए सत्र से नए प्रस्तावित पाठ्यक्रमों का संचालन	8
22	दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित/प्रस्तावित पाठ्यक्रम	
23	काउंसिल ऑफ इंडियन ओपन स्कूल एजुकेशन से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्रवेश	
24	विद्या–परिषद एवं अन्य सक्षम निकायों की बैठकों के समयबद्ध आयोजन	
25	शिक्षा विद्यापीठ में अध्यापकों की नियुक्ति हेतु विषय विशेषज्ञों का चयन	
26	सीबीसीएस के अंतर्गत परीक्षा मूल्यांकन पद्धति तथा 2015–16 में संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों का पाठ्यविवरण	
27	दूर शिक्षा निदेशालय के अध्ययन बोर्ड के कार्यवृत्त का अनुमोदन	
28	स्त्री अध्ययन विभाग के अध्ययन बोर्ड की तीसरी बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन	
29	अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन बोर्ड की दिनांक 10.10.2014 को संपन्न बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन	9
30	डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र के अध्ययन बोर्ड की छठी बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन	
31	महात्मा गांधी फ्यूजी गुरूजी शांति अध्ययन केंद्र के अध्ययन बोर्ड के कार्यवृत्त का अनुमोदन	
32	कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग की दिनांक 11.04.2014 को संपन्न अध्ययन मंडल की बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन	
33	छात्र प्रतिनिधियों के सुझाव	
34	हिंदी भाषा विषयक नए पाठ्यक्रमों का संचालन	

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

विद्या–परिषद की 22वीं बैठक का कार्यवृत्त

यह बैठक माननीय कुलपति की अध्यक्षता में 14 मार्च, 2015 (शनिवार) को पूर्वाह्न 11:00 बजे सभाकक्ष, भाषा विद्यापीठ में आयोजित हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे :

1.	प्रो. गिरीश्वर मिश्र	कुलपति (अध्यक्ष)
2.	प्रो. चित्तरंजन मिश्र	प्रतिकुलपति एवं संकायाध्यक्ष : अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ
3.	प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल	संकायाध्यक्ष : भाषा विद्यापीठ
4.	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	संकायाध्यक्ष : साहित्य विद्यापीठ
5.	प्रो. एल. कारूण्याकरा	संकायाध्यक्ष : संस्कृति विद्यापीठ
6.	प्रो. अनिल कुमार राय	संकायाध्यक्षः मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
7.	प्रो. मनोज कुमार	संकायाध्यक्ष : सृजन विद्यापीठ
8.	प्रो. अरबिंद कुमार झा	संकायाध्यक्ष : 'शिक्षा विद्यापीठ' एवं 'प्रबंधन विद्यापीठ'
9.	प्रो. सुरेश शर्मा	विभागाध्यक्ष : नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग
10.	प्रो. विजय कुमार कौल	निदेशक : प्रौद्योगिकी अध्ययन केंद्र
11.	प्रो. देवराज	विभागाध्यक्ष : अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
12.	प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल	प्रोफेसर, हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग
13.	प्रो. शंभु गुप्त	प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग
14.	प्रो. संतोष कुमार भदौरिया	प्रोफेसर एवं प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद
15.	डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	विभागाध्यक्ष : अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग
16.	डॉ. फरहद मलिक	विभागाध्यक्ष : मानवविज्ञान विभाग
17.	डॉ. अन्नपूर्णा चर्ले	एसोशिएट प्रोफेसर : अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
18.	डॉ. कृपाशंकर चौबे	एसोशिएट प्रोफेसर एवं प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता
19.	श्री जगदीप सिंह दांगी	एसोशिएट प्रोफेसर, भाषा प्रौद्योगिकी विभाग
20.	डॉ. रविंद्र तु. बोरकर	क्षेत्रीय निदेशक / एसोशिएट प्रोफेसर, दूर शिक्षा निदेशालय
21.	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह	प्रभारी अध्यक्ष डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र
22.	डॉ. राजीव रंजन राय	प्रभारी अध्यक्ष : माइग्रेशन, डायस्पोरा एवं ट्रांसनेशल सांस्कृतिक अध्ययन विभाग
23.	डॉ. सुप्रिया पाठक	प्रभारी अध्यक्ष : स्त्री अध्ययन विभाग
24.	डॉ. धूपनाथ प्रसाद	असिस्टेंट प्रोफेसर, अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग
25.	डॉ. रवि कुमार	असिस्टेंट प्रोफेसर, भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र
26.	डॉ. मैत्रेयी घोष	पुस्तकालयाध्यक्ष
27.	प्रो. दिविक रमेश	सदस्य (बाह्य विशेषज्ञ), साहित्यकार, दिल्ली

28.	प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव	सदस्य (बाह्य विशेषज्ञ) प्रोफेसर : शिक्षा मनोविज्ञान तथा सचिव–इरिक, एन.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
29.	श्री लीलाधर मंडलोई	सदस्य (बाह्य विशेषज्ञ) निदेशक – भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
30.	श्री अनिल फरसोले	पूर्व छात्र (बुनियादी तालीम समिति, सेवाग्राम आश्रम, वर्धा)
31.	श्री अमरेंद्र प्रताप सिंह	शोधार्थी प्रतिनिधि
32.	सुश्री खुमन्थेम जीतेश्वरी	छात्र प्रतिनिधि
33.	डॉ. शोभा पालीवाल	अकादमिक संयोजक (विशेष आमंत्रित)
34.	डॉ. अरुण प्रताप सिंह	मनोविज्ञान विभाग (विशेष आमंत्रित)
35.	श्री संजय बी. गवई	कुलसचिव (पदेन सचिव)

प्रो. रंजना अरगड़े द्वारा सूचित किया गया है कि वे अपरिहार्य कारणवश उपस्थित नहीं हो पाएंगी।

बैठक के प्रारंभ में कुलसचिव द्वारा सभी उपस्थित सदस्यों के स्वागतोपरांत सूचित किया गया कि प्रख्यात लेखक एवं विचारक तथा विद्या–परिषद के माननीय सदस्य प्रो. तुलसीराम का आकस्मिक निधन दिनांक 13.02.2015 को हो गया है। विद्या–परिषद ने प्रो. तुलसीराम के द्वारा विश्वविद्यालय को प्राप्त मार्गदर्शन एवं उनके साहित्यिक योगदान का स्मरण किया और दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

तदुपरांत, कार्यसूची के अनुसार, बैठक की कार्यवाही आरंभ की गई। विचार–विमर्श के उपरांत निम्नलिखित निर्णय लिए गए :

मद संख्या –1

विद्या–परिषद में नए सदस्यों का नामांकन एवं स्वागत : विद्या–परिषद के नए सदस्यों का परिचय दिया गया और स्वागत किया गया।

मद संख्या –2

कुलाधिपति द्वारा पदभार ग्रहण : विद्या परिषद अवगत हुई कि प्रो. कपिल कपूर, पूर्व प्रोफेसर (अंग्रेज़ी), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने कुलाधिपति का पद दिनांक 23.09.2014 को ग्रहण कर लिया है।

मद संख्या –3

विद्या–परिषद की पिछली (21वीं) बैठक के कार्यवृत्त की संपुष्टि : नोट किया गया कि पीएच.डी. अध्यादेश के संशोधन के लिए प्रो. के.के. सिंह की अध्यक्षता में गठित संमिति द्वारा, विद्या–परिषद के सदस्य, प्रो. एल. कारूण्याकरा के सुझावों का संज्ञान लेते हुए, अध्यादेश में संशोधन की अनुशंसाओं को विचारार्थ इस बैठक में प्रस्तुत किया जा रहा है।

एक अन्य सदस्य, डॉ. रविंद्र तु. बोरकर द्वारा सुझाई गई टंकण संबंधी अशुद्धियों को नोट करते हुए कार्यवृत्त का अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–4

21वीं बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई कार्यवाही : विद्या–परिषद ने विश्वविद्यालय द्वारा की गई कार्यवाही के बिंदुवार विवरण पर संतोष व्यक्त किया और उससे सहमति व्यक्त की।

मद संख्या–25 के अंतर्गत भोजपुरी–हिंदी–अंग्रेज़ी शब्दकोश निर्माण योजना पर प्रो. देवराज द्वारा ध्यान आकृष्ट किया गया कि 'भोजपुरी' को हिंदी भाषा से अलग मानने पर विचार होना चाहिए और इसे 'खड़ी बोली हिंदी' कहना चाहिए। प्रो. शंभु गुप्त ने उनका समर्थन किया। प्रो. संतोष भदौरिया ने यह स्पष्ट किया कि भोजपुरी–हिंदी शब्दकोश पहले से उपलब्ध हैं। उसमें संशोधन, परिवर्धन तथा शब्दों के अंग्रेज़ी पर्याय का समावेश कर यह शब्दकोश बन रहा है।

मद संख्या–31 पर विद्या–परिषद अवगत हुई कि प्रो. अरुण कमल द्वारा विश्व साहित्य को हिंदी में उपलब्ध करवाने की परियोजना तथा प्रो. रंजना अरगड़े एवं डॉ. अन्नपूर्णा चर्ल से प्राप्त सुझावों के अनुसार कार्यवाही की जा रही है।

श्री लीलाधर मंडलोई ने कार्यवृत्त के अनुपालन में 'की गई कार्यवाही' का स्पष्ट विवरण दिए जाने का सुझाव दिया।

मद संख्या –5

विश्वविद्यालय की प्रगति एवं अकादमिक गतिविधियाँ : कुलपति द्वारा बिंदु संख्या (v) के अंतर्गत सामुदायिक विकास केंद्र की टंकण अशुद्धि की ओर ध्यानाकर्षित करते हुए उसे 'सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ' पढ़े जाने का आग्रह किया गया। दिनांक 11.07.2014 को संपन्न पिछली बैठक से अब तक विभिन्न क्षेत्रों में हुई विश्वविद्यालय की प्रगति एवं अकादमिक गतिविधियों से विद्या–परिषद अवगत हुई। यह जानकर हर्ष व्यक्त किया गया कि विश्वविद्यालय को नैक द्वारा मूल्यांकन के पश्चात् 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है।

प्रो. दिविक रमेश द्वारा कहा गया कि हमें यह जानकर अपार प्रसन्नता है कि विश्वविद्यालय का पहली बार मूल्यांकन हुआ और नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया। इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय से जुड़े सभी को और विशेष रूप से कुलपति महोदय और उनकी टीम के सदस्यों को हार्दिक बधाई। शैक्षणिक प्रगति के लिए उठाए जा रहे कदम बहुत ही सराहनीय हैं। विशेष रूप से प्रत्येक शिक्षक के द्वारा वार्षिक उपलब्धियों का विवरण देना और छात्रों के द्वारा दिए गए फीडबैक के विश्लेषण को अपनाना बहुत ही जरूरी और प्रगतिशील कदम है। इससे आशा बढ़ी है कि प्रत्येक शिक्षक अपने निरंतर शोधपरक लेखन और उसके प्रकाशन द्वारा एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय बनने की दिशा में वास्तविक अपेक्षाओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण योगदान करेगा। बाल विकास की ओर ध्यान केंद्रित करना आज की बड़ी आवश्यकता है और इस ओर भी कदम बढ़ाकर विश्वविद्यालय ने सराहनीय कार्य किया है। आशा है बाल–साहित्य के क्षेत्र में अध्यापन और शोध की दिशा में भी ठोस कदम उठाए जाएंगे। इसी प्रकार 'प्लेसमेंट सेल' की स्थापना भी एक सराहनीय कदम है।

उन्होंने कहा कि हमें आशा है कि यह विश्वविद्यालय अपने साथ जुड़े 'अंतरराष्ट्रीय' शब्द के साथ न्याय करने की दिशा में भी विशेष योजनाएं बनाएगा। हिंदी को एक ओर ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न विषयों और अनुशासनों की भाषा बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय और अधिक ठोस कार्य करेगा और दूसरी ओर कतिपय अन्य देशों के साथ मिलकर हिंदी की अंतरराष्ट्रीय छवि की वृद्धि में अपेक्षित योगदान करेगा। शुरूआत कोरिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर आदि देशों से की जा सकती है। दोनों देशों के विद्वानों की समितियाँ बनाकर कम–से–कम साहित्य के आदान–प्रदान की दिशा में तो कार्य का प्रारंभ किया जाना चाहिए। हिंदी की जय बोलकर काम चलने वाला नहीं है। हिंदी को भारतीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं के संदर्भ में प्रवेश द्वार बनाना होगा। अंग्रेज़ी के प्रति बिना किसी दुर्भावना के अंग्रेज़ी के विरोध मात्र के स्थान पर हिंदी के विकास पर ध्यान देना होगा।

प्रो. दिविक रमेश जी का यह भी कहना था कि हम वार्षिक विवरण के नए रूप का भी अभिनंदन करते हैं। इसके द्वारा विश्वविद्यालय की सार्थक गतिविधियों का दस्तावेजी रूप उपलब्ध कराया गया है, जो न केवल प्रेरक है, बल्कि अपना प्रभाव छोड़ने में भी सक्षम है।

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद के प्रभारी प्रो. संतोष भदौरिया द्वारा केंद्र की प्रगति एवं भावी योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि 2009 में स्थापित इस केंद्र के लिए गोविंद वल्लभ पंत संस्थान के बगल में झूंसी के पास 2255 वर्गमीटर ज़मीन आवास–विकास परिषद से खरीदी गई है। इसकी चहारदीवारी तथा मुख्यद्वार बन चुके हैं तथा भवन निर्माण हेतु नक्शा स्वीकृति की प्रतीक्षा है। केंद्र में वर्ष 2011 से 2 डिप्लोमा पाठ्यक्रम आरंभ किए गए। सत्र 2014–15 में पी.जी. डिप्लोमा सहित एम.ए., एम.फिल. और पी–एच.डी. सहित 5 पाठ्यक्रम संचालित किए गए जिनमें कुल 120 स्थानों में 106 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। केंद्र द्वारा भोजपुरी–हिंदी शब्दकोश परियोजना आरंभ की गई है, जिसे छः माह के अंदर समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने का कार्य प्रगति पर है। सत्र 2015–16 से प्रस्तावित नए पाठ्यक्रमों एवं योजनाओं का विवरण कार्यसूची में प्रस्तावित मदों के क्रम में विचारार्थ/अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया जा रहा है।

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता के प्रभारी डॉ. कृपाशंकर चौबे द्वारा केंद्र की प्रगति एवं भावी योजनाओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि पिछले सत्र में पी.जी.डिप्लोमा (अनुवाद), पी.जी. डिप्लोमा (वेब जनर्लिज्म), एम.ए (तुलनात्मक साहित्य) तथा एम.फिल. (हिंदी) पाठ्यक्रम आरंभ किए गए जिनमें कुल 57 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया। वेब जनर्लिज्म पाठ्यक्रम के पहले बैच के सभी विद्यार्थियों का प्लेसमेंट अच्छी संस्थाओं में हो गया है। सत्र 2015–16 से एम.ए. (मॉस कॉम तथा ट्रांसलेशन) के छात्रों की कम संख्या को देखते हुए इसे इस वर्ष नहीं चलाया जाएगा। तथा दो नए विभाग खोलने के प्रस्ताव इस बैठक में प्रस्तुत किए जा रहे हैं।

दूर शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. अरबिंद कुमार झा द्वारा आगामी सत्र 2015–16 के अंतर्गत प्रस्तावित योजनाओं का विवरण प्रस्तुत किया गया। वर्ष 2013–14 में शून्य सत्र, 2014–15 में कुछ पाठ्यक्रमों के संचालन तथा पूर्व में खोले गए 252 अध्ययन केंद्रों की संदिग्ध गुणवत्ता के कारण उन्हें बंद होने के कारणों को स्पष्ट करते हुए अवगत कराया कि नए स्वरूप में नियमान्तर्गत प्राप्त 65 आवेदनों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया है तथा वर्ष 2015–16 में पूर्व संचालित 2 पाठ्यक्रमों को बंद करते हुए मात्र 14 पाठ्यक्रमों को संचालित किया जाएगा। यह भी सूचित किया गया कि बी.एड हेतु 500 छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति प्राप्त हुई हैं।

श्री लीलाधर मंडलोई ने कार्यसूची में प्रस्तुत प्रस्तावों के अनुसार विश्वविद्यालय में अनंत संभावनाओं के होने की बात कही। उन्होंने एम.ए. हिंदी और मीडिया अध्ययन नाम से पाठ्यक्रम बनाने और विशेषज्ञों के मानद आमंत्रण पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता बताई। इस योजना के अंतर्गत सिनेमा, थिएटर आदि के क्षेत्रों में स्थापित संस्थाओं से जुड़ने के साथ ही इन क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में बाजार सर्वेक्षण की आवश्यकता, पाठ्यक्रम का संबंध रोज़ी–रोटी से होने तथा रोजगारपरक होने के महत्व की ओर भी आकृष्ट किया।

प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव ने निम्नांकित सुझाव दिए :

1. बाल शिक्षा तथा उच्च शिक्षा के बीच तालमेल की आवश्यकता है ताकि शिक्षा समाज से जुड़ी रहे, अलग न हो। शोध के क्षेत्र में एनसीईआरटी और विश्वविद्यालय के बीच बेहतर तालमेल बिठाने का प्रयास किया जा सकता है। विश्वविद्यालय द्वारा स्कूल के शिक्षकों के लिए अल्पावधि प्रशिक्षण/पुनश्चर्या कार्यक्रम के बारे में भी प्रयास अपेक्षित है। इससे शिक्षकों की कठिनाइयों को समझने तथा उन्हें दूर करना आसान होगा।
2. अध्यापन मूल रूप से एक योग्यता है, पर उसमें कौशल भी संलग्न है। योग्यता और कौशल दोनों के संवर्धन पर विचार की आवश्यकता है। सरकार इस पर काफी जोर दे रही है कि आज योग्यता के साथ कौशल विकास कैसे किया जाए। इसलिए विश्वविद्यालय द्वारा कुछ ऐसे पाठ्यक्रम बनाने पर विचार किया जाए जिनमें कौशल और योग्यता दोनों पर बल हो।
3. विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस आयोजन को थीम बेस्ड बनाया जाना चाहिए।

श्री अनिल फरसोले ने विद्या–परिषद में पूर्व छात्र के रूप में खुद को नामित किए जाने पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए स्वच्छ पानी की उपलब्धता, स्वच्छता अभियान एवं अन्य कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा आरंभ किए गए अहिंसा एवं शांति अध्ययन पाठ्यक्रम के प्रथम बैच के विद्यार्थी हैं तथा परिसर के विकास से लेकर विभाग एवं पाठ्यक्रम के नाम परिवर्तन तक के सफर के साक्षी होने का उन्हें गर्व है। उन्होंने 'महात्मा गांधी', 'अंतरराष्ट्रीय' और 'विश्वविद्यालय', इन तीन बीज शब्दों को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2019 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुनियोजित कार्यक्रम चलाए जाने का सुझाव दिया।

मद संख्या –6

संज्ञानार्थ/कार्योत्तर अनुमोदनार्थ मुद्दे : अकादमिक प्रगति हेतु तत्काल कार्रवाई के मद्देनजर प्रदत्त विशेषाधिकार के तहत कुलपति द्वारा लिए गए आवश्यक निर्णयों को संज्ञान में लिया गया।

बिंदु संख्या 6.13 के संबंध में यह निर्णय लिया गया कि दोनों केंद्रों को मिलाकर एक ही केंद्र होगा जिसका नाम डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर – सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र होगा।

बिंदु संख्या 6.16 के तहत प्रस्तुत विषय के संदर्भ में विद्या–परिषद ने इसे भी संज्ञान में लिया कि समाचार–पत्रों में प्रकाशित चिंतनीय खबरों तथा उसकी उपयोगिता पर विचार के लिए विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति की अनुशंसाओं और दूर शिक्षा निदेशालय के अधिकारियों/कर्मियों की संस्तुति के आधार पर इंडियन नॉलेज कॉपोरेशन, पुणे से किए गए अनुबंध समाप्त किए गए।

शेष मदों पर सूचित किए गए निर्णयों का कार्योत्तर अनुमोदन किया गया।

मद संख्या –7

कुलपति की अध्यक्षता में संपन्न संकायाध्यक्षों/विभागाध्यक्षों की बैठकों के कार्यवृत्त का अनुमोदन : कुलपति की अध्यक्षता में संपन्न संकायाध्यक्षों/विभागाध्यक्षों की बैठकों दिनांक 09.02.2015, 20.02.2015 एवं 25.02.2015 में विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों के संदर्भ में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन किया गया।

मद संख्या –8

प्रवेश समिति की अनुशंसाओं का अनुमोदन : सत्र 2015–16 से संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रमों में प्रवेश से संबंधित नियमों एवं प्रक्रियाओं के संबंध में प्रवेश समिति गठित की गई थी। उक्त समिति की दिनांक 08.12.2014, 30.12.2014 तथा 12.02.2015 को संपन्न बैठकों के कार्यवृत्तों का अनुमोदन किया गया।

मद संख्या –9

(i) **सत्र 2015–16 का अकादमिक कैलेंडर :** प्रस्तावित अकादमिक कैलेंडर को अनुमति प्रदान की गई।

(ii) **सत्र 2014–15 के अकादमिक कैलेंडर में आंशिक संशोधन :** अकादमिक कैलेंडर में प्रस्तावित आंशिक संशोधन को स्वीकृति दी गई।

मद संख्या–10

सत्र 2015–16 से विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु परिवर्तित शुल्क का अनुमोदन : विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु समिति द्वारा अनुशंसित शुल्क का अनुमोदन किया गया। क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में प्रस्तावित मलयालम भाषा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का शुल्क रु.1800/– तथा फारसी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा का शुल्क रु. 2000/– निर्धारित किया गया। विवरणिका में प्रकाशन से पूर्व पाठ्यक्रमों के नाम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अधिसूचित गजट के अनुसार सुनिश्चित किए जाने का निर्णय लिया गया।

मद संख्या–11

संशोधित पी–एच.डी. अध्यादेश : प्रो. के.के. सिंह, संकायाध्यक्ष, साहित्य विद्यापीठ की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा पी–एच.डी. अध्यादेश क्रमांकः 45/2009 पर पुनर्विचार के उपरांत दिनांक : 26.02.2015 को की गई अनुशंसाओं के अनुसार संशोधित अध्यादेश को स्वीकृति प्रदान की गई।

मद संख्या–12

विश्वविद्यालय अध्यादेश क्रमांकों में सुसूत्रीकरण : अध्यादेश क्रमांकों में बदलाव करके सुसूत्रीकरण के प्रस्ताव को अनुमोदित करते हुए यह निर्णय लिया गया कि इलाहाबाद तथा कोलकाता क्षेत्रीय केंद्रों के प्रभारी क्षेत्रीय केंद्रों से संबंधित अध्यादेश संशोधन का प्रस्ताव कुलपति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

मद संख्या–13

विद्या–परिषद में पूर्व छात्रों के नामांकन संबंधी परिनियम को स्वीकृति : विश्वविद्यालय के विभिन्न निकायों में पूर्व छात्रों की सहभागिता के प्रस्ताव से सहमति व्यक्त करते हुए विद्या–परिषद के गठन से संबंधित परिनियम–14(1) के अंतर्गत (l) के रूप में स्वीकार किया गया।

मद संख्या–14

मानवविज्ञान विभाग को पुनः संस्कृति विद्यापीठ के अंतर्गत किया जाना : विभागाध्यक्ष, मानवविज्ञान विभाग के प्रस्ताव पर विस्तृत विचार–विमर्श के उपरांत समस्त विभागों, केंद्रों और विद्यापीठों के पुनर्गठन के लिए एक समिति गठित करने एवं उसकी अनुशंसाओं पर निर्णय लेने के लिए कुलपति को अधिकृत किया गया।

मद संख्या–15

डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र के अध्ययन मंडल की 12 दिसंबर, 2014 को संपन्न बैठक का कार्यवृत्त : कार्यवृत्त का अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–16

हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग के अध्ययन मंडल की 14 नवंबर, 2014 को संपन्न बैठक का कार्यवृत्त : कार्यवृत्त का अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–17

महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मॉरिशस के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन

विश्वविद्यालय के अधिनियम में वर्णित उद्देश्यों की प्राप्ति तथा अपने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप के परिप्रेक्ष्य में महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मॉरिशस से प्राप्त प्रस्ताव का स्वागत किया गया तथा कार्यवाही हेतु कुलपति को अधिकृत किया गया।

मद संख्या–18

बी.वोक एवं अन्य स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों का संचालन : समिति की अनुशंसाओं को स्वीकार करते हुए सत्र 2015–16 से प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के लिए संसाधनों की उपलब्धता पर संचालन की अनुमति प्रदान की गई।

मद संख्या–19

प्रबंधन विद्यापीठ के अंतर्गत सत्र 2015–16 से बी.कॉम (ऑनर्स), एम.कॉम तथा एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों का संचालन : प्रबंधन विद्यापीठ के अंतर्गत अकादमिक गतिविधियों के आरंभ होने पर विद्या–परिषद ने हर्ष व्यक्त किया तथा सत्र 2015–16 से बी.कॉम (ऑनर्स), एम.कॉम तथा एम.बी.ए. आदि पाठ्यक्रम आरंभ किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की।

मद संख्या–20

क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद में नए सत्र से प्रस्तावित पाठ्यक्रमों का संचालन : अकादमिक गतिविधियों के विस्तार हेतु केंद्र प्रभारी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव एवं इसके लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद में सत्र 2015–16 से निम्नांकित पाठ्यक्रमों के संचालन की अनुमति प्रदान की गई :

1.	एम.ए. उर्दू	:	30 सीट
2.	मलयालम भाषा में डिप्लोमा	:	20 सीट
3.	फारसी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	:	20 सीट
4.	स्त्री अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	:	20 सीट

केंद्रों पर पी–एच.डी. पाठ्यक्रम संचालन के संदर्भ में तय हुआ कि प्रवेश–परीक्षा की व्यवस्था मुख्यालय करेगा तथा साक्षात्कार अध्यादेश की व्यवस्था के अनुसार केंद्रों पर संपन्न होगा। विज्ञापन में केंद्रों पर पी–एच.डी. हेतु उपलब्ध सीटों का उल्लेख किया जाएगा तथा आवेदकों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर शोध केंद्र का विकल्प चुना जाएगा।

केंद्र द्वारा महापंडित राहुल सांकृत्यायन पीठ तथा रवींद्रनाथ टैगोर पीठ की स्थापना के संबंध में दिए गए प्रस्तावों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से संसाधनों की उपलब्धता के बाद ही आरंभ किए जाने का निर्णय लिया गया।

मद संख्या–21

(क) क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में नए विभागों की स्थापना : सत्र 2015–16 से क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता के अंतर्गत प्रस्तावित दो नए विभाग – **'पूर्वोत्तर भाषा व संस्कृति विभाग (पूर्वाशा)'** को साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत तथा **'दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन विभाग (दक्षिणावर्त)'** को संस्कृति विद्यापीठ के अंतर्गत स्थापित किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

(ख) **क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता में नए सत्र से प्रस्तावित पाठ्यक्रमों का संचालन :** शैक्षणिक सत्र 2015–16 से क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता में (1) पी–एच.डी. हिंदी (तुलनात्मक साहित्य) (2) एम.ए.जनसंचार तथा (3) एम.ए.–दक्षिण पूर्व एशिया अध्ययन के पाठ्यक्रमों के संचालन के संबंध में निर्णय लिया गया कि **विभागों एवं उनमें संचालित होने वाले नए पाठ्यक्रमों का प्रारूप आवश्यक प्रक्रिया (अध्ययन मंडल, स्कूल बोर्ड से अनुमोदन लेकर) संपन्न करने हेतु कुलपति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।**

मद संख्या–22

दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित / प्रस्तावित पाठ्यक्रम : दूर शिक्षा निदेशालय के अंतर्गत पूर्व में संचालित एवं सत्र 2015–16 से प्रस्तावित नए पाठ्यक्रमों के संचालन की अनुमति प्रदान की गई।

मद संख्या–23

काउंसिल ऑफ इंडियन ओपन स्कूल एजुकेशन से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्रवेश : संस्था से उत्तीर्ण विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में अर्हता के अनुसार प्रवेश की अनुमति प्रदान की गई।

मद संख्या–24

विद्या–परिषद एवं अन्य सक्षम निकायों की बैठकों के समयबद्ध आयोजन : प्रस्ताव का स्वागत करते हुए अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–25

शिक्षा विद्यापीठ में अध्यापकों की नियुक्ति हेतु विषय विशेषज्ञों का चयन : पिछली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन में बनी विषय विशेषज्ञों की सूची में संकायाध्यक्ष द्वारा सुझाए गए नामों को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया।

मद संख्या–26

सीबीसीएस के अंतर्गत परीक्षा मूल्यांकन पद्धति तथा 2015–16 में संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों का पाठ्यविवरण : प्रस्तावित मूल्यांकन पद्धति तथा संचालित होने वाले पाठ्यक्रमों के पाठ्यविवरण का अवलोकन कर अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–27

दूर शिक्षा निदेशालय के अध्ययन बोर्ड के कार्यवृत्त का अनुमोदन : अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–28

स्त्री अध्ययन विभाग के अध्ययन बोर्ड की तीसरी बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन : अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–29

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग के अध्ययन बोर्ड की दिनांक 10.10.2014 को संपन्न बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन : अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–30

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र के अध्ययन बोर्ड की छठी बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन : अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–31

महात्मा गांधी प्यूजी गुरूजी शांति अध्ययन केंद्र के अध्ययन बोर्ड के कार्यवृत्त का अनुमोदनः अनुमोदन किया गया।

मद संख्या–32

कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग की दिनांक 11.04.2014 को संपन्न अध्ययन मंडल की बैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन : अनुमोदन किया गया।

* अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय *

मद संख्या–33

छात्र प्रतिनिधियों के सुझाव : विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधियों द्वारा विद्यार्थियों की आवश्यकता और सुविधा से संबंधित कुछ सुझाव दिए गए, जिन पर उचित कार्यवाही हेतु कुलपति को अधिकृत किया गया।

इसी परिप्रेक्ष्य में ई–रिर्सोसेस के अधिकाधिक उपयोग हेतु 2–3 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम पुस्तकालय द्वारा आयोजित किए जाने तथा इसे विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य करते हुए केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा एक प्रमाणपत्र प्राप्त किए जाने को आवश्यक किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इच्छुक अध्यापकों को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया।

मद संख्या–34

हिंदी भाषा विषयक नए पाठ्यक्रमों का संचालन : भाषा विद्यापीठ के अंतर्गत हिंदी भाषा विषयक नए पाठ्यक्रमों के संचालन के संबंध में सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई तथा विस्तृत योजना अध्ययन मंडल एवं स्कूल बोर्ड के माध्यम से विद्या–परिषद के समक्ष आगामी बैठक में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।

बैठक की समाप्ति पदेन सचिव द्वारा माननीय अध्यक्ष एवं समस्त उपस्थित सदस्यों के प्रति कृतज्ञता–ज्ञापन से हुई।

(संजय गवई)
कुलसचिव एवं पदेन सचिव : विद्या–परिषद
म.गां.अं.हिं.वि., वर्धा